

असाधारण Extraordinary

NWI II—was 2—wy-was (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

₩. 617] No. 617] नई दिल्ली, सोनवार, विसम्बर 5, 1988/अवहायन 14, 1910 NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 5, 1988/AGRAHAYANA 14, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या की जाती हैं जिससे कि यह असन संक्रमन के रूप में रचा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रेल मंत्रालय

(रेलवे वोई)

नई दिल्ली. 5 दिसम्बर, 1938

मधिस्बनाएं

सा.का.ति. 1118(प्र).--प्रिविधात के प्रतृत्वेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए , राष्ट्रपति जो भारतोय रैल स्थापन सहिता, जिल्द-I (पंचम संस्करण, 1985) के नियम 103(5) में प्रमुखरनक के प्रतृतार संशोधन करते हैं।

ये संबोधन 01-01-1987 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई(पो एंड ए) II/86/मार एव 15]

धनुसानक

पष्ठ 1, नियम 103(5)--"अधित वैतम'

इस नियम के वर्तमान दिशोय परण्डुक को निम्ननिधित द्वारा प्रति-स्थापित करें:---

"और ग्रागे यह भी कि रानिंग मते के हरूवार रेल सेवकों के मामले में छुदुरो नेतन के प्रयोजनायं औसत नेतन में, समय-समय पर प्रशासनिक प्रमुदेशों के माध्यम से संस्कार द्वारा यदा प्रश्चिस्चित रिना भन्ने में वेतन तत्व का धोतक, एक निश्चित संघटक शामिल होगा ।"

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 5th December, 1988

G.S.R. 1118 (B):—In exercise of the powers the conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 103 (5) of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Fifth Edition, 1985) as in the Annequire.

The amendment will be effective from 01-01-1987.

[No. E. (P&A) II/86/RS/15.]

ANNEXURE 'A'

Page 1, Rule 103(5)-'Average Pay'.

Substitute the following for the existing second proviso to this Rule:—

"Provided further that in the case of raillay servants entitled to running allowance, average pay for the purpose of

leave salary shall include a fixed component representing the pay element in the cital as allowances as notified by the Government through administrative instructions from time to time.

सा.का.ति. 1119(प्र) --संविधात के प्रतृष्ठिर 309 के परम्तुक द्वारा परत पत्रितयों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्राति जी भारतीय रैस स्थापन संहिता, जिल्द-I (प्रयम गृतर्नुष्टग) के तियम 401 में प्रनृत्यनक के प्रतृतार संसोधन करते।

ये संयोधन 01-07-1959 से नमानी हों।

[सं. ई(वो एंड ए) II/ 86/मार एस 15]

वनवंश

धरित सुद्धिपत्र सं. 426 स्या. I

1श्यम 401

वर्तमान उप नियम (4) को निम्नक्षिति हारा प्रतिस्थापित किया बाए: ---

वेतन से प्राधिनाय भारतीय रेल स्थावन तंत्रिता, जिल्द-II के नियम 2003(21)(क) [मू. नि. १(21)(क)] में परिप्राधित वेतन से है। वासन कर्मवारिनृत्य के मामले में कर्मवारी के बेतन में प्राधिकत वेतनमान में वेतन के 25 मितात को भी वालन करने में बेतन तरब के रूप में मामिल किया वाएगा ।

[प्राविकार :--रेस- मंत्रालय का दि. 22-6-1961 का पत सं. पी सी-60/प्रार ए-2/1]

म्पल्डीकरण :--

मारतीय रेल स्वापन संहिता, जिल्द- (प्रयम पूनमूँदल-1971 संस्करण) के नियम 401 को राष्ट्रपति के सनुसोवन से जारी 1-7-59 से प्रमानी प्रवासनिक अनुदेशों के माध्यम से आफोधित किया गया है। इसरे केन्द्रीय वेतन सायाग द्वारा संस्कृत प्राविद्धत नेतनमानों की लानू करने के कारण इन अनुदेशों को आनश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का माध्य प्रशासनिक अनुदेशों को जी तारोख से कानूनी प्रवित प्रवान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाती है कि इन निम्मों के भूगनको प्रमान से कियो भी कर्मवारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिदूत प्रमान नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1119(E):—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amondment will be effective from 01-07-1959.
[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE ...

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 426 R.I. RULE 401

The existing sub-rule (4) may be substituted by the following:—

" 'Pay' means pay as defined in Rule 2003(21)(a) [FR. 9(21)(a)] of the Indian Railway Establishment Code, Volume-II. In the case of Running Staff, Pay shall also include 25% of pay in the Authorised Scales of Pay as the pay element in running allowance."

AUTHORITY: (Ministry of Railways' letter No. PC-60/ RA-2/1 dt. 22-5-1961.)

EXPLANATION:

The Rule 401 of Indian Railway E3tablishment Code, Volume I (Ist Reprint—1971 Edition) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-7-59. These instructions were necessitated by the introduction of the authorised scales of pay recommended by the Second Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.ति. 1120(प्र). — वंतितात के प्रतृष्टेत 309 के परन्तृक द्वारा प्रवत्त समितवों का प्रयोग करते तुए, राष्ट्राति जो भारतीत रेल स्वापन संशिता, जिल्ला (प्रयम पुनर्मृदण) के निवम 401 में प्रतृक्षलक के श्रमुसार संवोदन करते हैं ।

ये संबोधन 01-02-1963 से प्रभावी होंने।

[तं• दैं (पौ एंड ए) П/86/भार एस 15]

अनवध

श्रीतम मुख्यित सं. 427 स्था. I

नियम 401

कर्तमाम उप नियम (4) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया। वाद:---

"बेतन" से अस्तियाय भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्ब-II (प्रथम पुनर्मूबन-- 1971 संस्करण) के नियम 2003 (21)(क) [मू.नि. १ (21)(क)] में परिभाषित बेतन से हैं। भारत कर्मनारिक्य के मामले में कर्मनारों के बेतन में प्राधिहत बेननमान में नेतन के 40 प्रशिवान की भी बालन भरी में बेतन तित्व के रूप में बामिल किया जाएगा।

[प्राधिकार:---रेल मंत्रालय का दि. 7-3-63 का पत्र सं. पौ सौ-७०/ मार. ए. 2/1]

स्पद्धीकरण:---

कारनीय रेन स्वापन सिहिना, जिन्द-I (प्रयम पूनर्नुत्रण-1971 संस्करण) की नियम 401 की राष्ट्रपनि के अनुमोदन से जारी 1-2-63 में प्रभावी प्रश्नामिक अनुदेशों के माठ्यम से आशोधित किया गया है। दूसरे केन्द्रीय बेतन आयोग द्वारा संस्कृत प्राधिकृत वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों को धानस्यकता पड़ी थी। इस संसोधन का भाग्य प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारोख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन निवमों के भूननतो रभाव से किसी भी कर्नवारो पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रमाय नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1120 (E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the cConstitution, the President is pleased to amend Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-02-1963.

[No. E (P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP, NO. 427 R.I.

RULE 401

The existing sub-rule (4) may be substituted by the following:

"Pay 'means pay as defined in Rule 2003(21)(a) [F.R. 9 (21)(a)] of the Indian Railway Establishment Code, Volume II

In the case of Running Staff, Pay shall also include 43% of pay in he at horised Scales of pay as the pay lement in running allowance."

AUTHORITY: (Ministry of Railways letter No. PC-60/-RA-2/1 dt. 7-3-1963).

EXPLANATION:

The Rule 401 of Indian Railway Establishment I (1st Reprint-1971 Edition) Code, Volume through administrative instruchas been modified effective President's approval with tions issued These instructions were necessitated from 1-2-1963. by the instroduction of the authorised scales of pay recommended by the Second Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospositive effect given to those rules will not adversely affectany employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1121(य):--मंत्रिवार के घतुक्वेव 309 के परन्तुक द्वारा प्रवस समित्यों का प्रजीग करने हुए, राष्ट्रगति जी भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्द--- (प्रथम पुनर्नुव्रम) के नियम 401 में सन्त्यनक के धनुसार संशोधा करने हैं।

ये संगीधन से प्रमानी होंगे ।

सिं. ई (पो एंड ए) 11/86/पार पस 15]

धनुबंध

ग्राप्रिम मुद्धिपत्र सं. 431 स्था. 1

भियम 481

कर्तमान उपनियम (4) को निम्निणिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:---

"वेतन" से प्रभिन्नाथ भारतीय रेल स्वाउना संदिता, जिल्द-1 के नियम 2003 (21) (क) मू. नि. 9/21 (क) में परिमाषित बेतन से हैं। चालन कर्मचारोज्न्द के मामने में, कर्नेवारों के वेतन में संशोधित वेतनमान में वेउन का 30 प्रतिकृत भी चालन करों में बेतन के रूप में शामिल होगा।

[प्राप्तिकार :---रेल मंत्रालय का दिनांक 22-3-1976 का पक्ष तं. पी. सी. 3/75/मार. ए.]

स्पष्टीकरण:

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द- (प्रथम पुनर्मुद्रक-1971 संस्कर्ण) के नियम 401 को राज्यति के अनुमोधन के जारी 1-4-1976 से अमानी प्रवासनिक अनुदेशों के माध्यम से आयोधित किया गया है। तीसरे के-श्रीय वेतम आयोग द्वारा संस्तुत संगोधित वेतममानें को सागू अरो के कारण इन अनुदेशों को आवश्यकता पड़ी थी। इस संगोधम का आक्षय प्रवासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शिवस प्रवास करना है, जिस सारीख से उन्हें जारी किया गया या। यह श्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलको जमान से किसी भी कर्मजारी पर जिस पर ये नियम सागू होते हैं, प्रतिकृत प्रवास नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1121(E).—In exercise of the powers conferred by the provide to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 401 of Indid Railway Establishment Code, volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E(P&E)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 431 R.I.

RULE 401

Threxisting sub-rule (4) may be substituted by the following:
"Pay' means pay as defined in Rule 2003 (21)(a) [FR. 9(21)
(a)] of the Indian Railway Establishment Code, Volume
II. In the case of Running Staff, Pay shall also include
30% of pay in the revised scales of pay as the pay element
in Running Allowance."

AUTHORITY: Ministry of Railways letter No. PCHI (75/ RA-1 dt. 22-3-1976).

EXPLANATION:

The Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Ist reprint) has been modeled her ight alministrative instructions issued with Presidents approval effective from 1-4-1976. The eight rections were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. ला. ति. 1122 (प्र):---पंतिमान के प्रतृष्केर 309 के परण्युक हारा प्रवत्त पिनवर्षे का प्रमोग तड़ी दूर, राष्ट्रारि जो भारतीय देश स्थापन संहिता, जिस्ट-र्से (प्रथम संस्करण, 1985) के नियम 603 (1) में अनुलग्नक के अनुसार संबोधन करों हैं।

में संबोधन 01-01-1987 से प्रवामी होंते।

[सं. ई (भो एंड ए) 11/86/मार एम 18]

चनु नम्न ह

पाँद रे. 11

पृष्ठ 63, नियम 603 (1)--"प्राधिक्षण विकिशा परिवानिक को परि-

"ढिप्पच" में वर्तमान मद (1) को निर्मानि बिर द्वारा रशिः शादिर करें⊸∽

"रॉनिंग कर्मचारियों के मामले में समय-समय पर प्रशासिक धनुषेतों के माध्यम से सरकार द्वारा यया प्रश्निम्बित रॉनिंग भारते में बेतन तरक जा छोत्ता एक निश्चित अंतरक।"

G.S.R. 1122(B).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 603(1) of Indian Railway Establishment Cods, Volume I (Fifth Edition), 1985 as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1987.

INO. E./P&A)/II/86/RS/!51

ANNEXURE

Page 63, Rule 603(1)—'Definition of Authorized Medical Attendants'.

In the 'Note' substitute the following instead of the item (i):-

"In the case of running staff fixed component representing the Pay element in the running allowance as notified by the Government through administrative instructions from time to time."

सा. का. नि. 1123 (प):--संविधार परन्तुक द्वारा प्रवत्त सिक्यों का प्रयीप 🚩 , के भनुष्छेद 309 के रैल स्थापन संहिता, जिल्द-I (प्रव*ा* ंरते हुए, राष्ट्रवृति जो भारकोव भनुलमक के भनुसार संसोधन 💌 , पुनर्बुधण) के नियम 712 में ⊬रते हैं।

ये संशोधन 01-04

-1976 से प्रमाबो होंगे।

[सं. ई(पी एंड ए) 11/86/मार एस 15]

धप्रिम मुखिपत सं. 432 स्था. 1

नियम 712

छप नियम (5) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थानित किया जाये:---

"जीसत वेतन" का मभिप्राय संशोधित देतलमान में लिये गये बैतन से है, प्रयवा वह वैतन जो एक रेल सेवक द्वारा प्रधिष्ठायो इत्य के अपने स्थायी पद पर खुट्टी लेने की तारीका से पहले की तारीख को लिया जाये परम्तु चालन भत्ते के हकदार कर्मचारि-वृत्य के वेतन में, जिस नहींने रेल सेवक सूट्टी पर जाता है उस महीने के शरकाल पूर्व के बारह महीनों को प्रविध के धौरान भाजित भीसत चालन मरी उसी भवधि में लिये गये बेतन के भीसत के श्रविकंतमं 45 प्रतिकृत की शर्त के प्रध्यश्रीन शामिन किये जायेंगे। एक मास से भनविक छुट्टी के मामलों में एक बार निर्वारित भीसतन पालन पता वित्त वर्ष की भेष भवधि में साग्

प्रिचिकार: रेल मंत्रालय विमांक 22-3-1976 का पत्न सं. पी सी 3/75/**पार. ए**/1]

स्पष्टीकरण :---

चारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्ब-I (प्रथम पुनम्द्रण---1971 संस्करण) के नियम 712 को राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-4-1976 से प्रभावी प्रशासनिक धनुदेशों के माध्यम से घाशोधित किया पया है। तीसरे केन्द्रीय वेतन प्रायोग द्वारा संस्तुत संबोधित वेतनमानों को सामू करने के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संबोधन क। याख्य प्रशासनिक प्रमुदेशों को उसी तारोख से कानूनी शक्ति प्रधान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमा-णित किया जाता है कि इन वियमों के भूतलको प्रभाव से किसो भी कर्मभारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रशिक्षत प्रभाव नहीं पक्षेगा ।

G.S.R. 1123(E). -- In exercise of the powers conferred by the provide to Article 309 of the Constitution, the President is plea ed to amend Rule 712 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annextre.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E (P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 432 R.I.

RULE 712

The sub-rule(5) may be substituted by the following:

"Average Pay' means the pay drawn in the revised scales of pay, or that would be drawn by a railway servant in the permanent post held substantively by him on the date preceding that on which he proceeds on leave provided the at the pay of haff entitled to running allowance shall include the average running allowance earned during the 12 me nths im notifiately preceding the month in which a railw'ay servant proceeds on leave subject to a maximum of 45 % of average of the pay drawn for the same period, the average running allowance once determined remaining in operation during the remaining part of the financial year in cases of leave not exceeding one month."

AUTHORITY: (Ministry of Rajways letter No. PC-III/75/-RA/I dated 22-3-1976).

EXPLANATION:

The Rule 712 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1.t reprint) has been modified through admin'strative instructions issued with President's approval offortive from 1-4-1975. These in tructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendmentl: togive tututory force to the admin strative instructions with effect from the same date on which the Instructions were issued. It is cortifled that retrospective effect given to the 3e rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. ति. 1134(अ).--संविधान के अनुष्ठेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रक्त सक्तियों का प्रयोग करने हुए, एल्ड्रवृति जी भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द-1 (प्रथम पुनर्नुद्रण) के नियम १12 में भनुत्रशनक के भनुसार संशोधन करते हैं।

ये संतोधन 01-08-1981 से प्रभावी होंगे।

[सं हैं. (भी एंड ए) 11/86/प्रार एस 15]

भनुजंध

क्रविभ मुद्रिस्त सं. 440 स्या. 1

नियम 712 पर नियम (5) को निम्नलिखन द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये :---

> "क्षीसत वेतनका श्रमिश्राय है कि वह वैतन जो रेल सेवक द्वारा क्रक्रिकामी कर में क्रपने स्थायी पद पर खुट्टी लेने को तारीख से पहले की तारीबाको निया गया हो परस्तु वालन मले के हकदार कर्मचारितृस्य के वैतन में, चालन मत्ते में बैतन तस्य के रूप में संशोधित वेतवमान में बेतन का 30 प्रतिशत भी शामिल होगा ।

शिधिकार: रेल मंत्राजय का दिवांत 12-2-1981 का पत्र सं. ई(पी एंड ए) 2/80/मार एस-10) .

स्पष्टीकरण:

भारतीय रेल स्थापन संहिता के नियम 712 को राष्ट्रपति के भ्रममोदन से ज़ारी 1-8-81 से प्रभावो प्रशासनिक प्रनुदेशों के माध्यम से धाशोधित किया गया है। चालन मर्जी समिति (1980) की सिकारिकों पर भरकार द्वारा लिये गये विनिश्क्यों के कारण इन अनुदेशों को प्रावस्यक्षता हुई थी। इस संगोधन का फाजय प्रकासनिक धनुदेशों को उसी सारीख से कानुनी शक्ति प्रदान भरना है, जिस सारीख से धन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलकी प्रभाव से किसी ची कर्मकारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव महीं पंद्रेशा ।

G.S.R. 1124 (E).—In exercise of the powers conferred by the provise to article 303 of the Constitution, the President is pleased to a mend Rule 712 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No.E(P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 440 R.I.

RULE 712

The sub-rule (5) may be substituted by the following:

"'Average Pay' means the pay drawn or that would be drawn by a railway servant in the permanent post held substantively by him on the date preceding that on which he proceeds on leave; provided that the pay of staff entitled to running allowances shall also include 30% of pay, in the revised scales of pay as the pay element in running allowance."

AUTHORITY: [Ministry of Railways' letter No. E(P&A) II-80/RS-10 dt. 17-7-1981].

EXPLANATION:

The Rule 712 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-3-1931. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. ति. 1125(म). — संविधान के मनुष्येत 309 के परस्तुक द्वारा भवस स्वित्यों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेग स्थापन सहिता, जिल्ल-1 (प्रयम पुनर्मृत्रण) के नियम 730 में अनुष्यनक के मनुसार संशोधन करते हैं।

वे संगोधन 01-04-1976 से प्रभावी होंगै।

[सं. ई (पी एंड ए)II/३६/मार एस-16]

प्रमुखंब

अंत्रिम शुक्रिपत सं. 433 स्था.I

मियम 730

नियम 730 के नोबे टिप्तण को निम्नालिखित हारा प्रतिस्थापित किया खाये:---

हिप्पण :

आशन भरते के इसवार कर्मजारिष्ण के मामले में, रेस तंबत के सुट्टां पर आने के महोने से तरताल पूर्व के 12 महीनों के बीरान घर्णित घौसत चालन भरता भामिल होना, परस्तु यह संबोधित बेतनमान में उता घर्यांघ के लिये नये बेतन के प्रीसत का घर्षिक से प्राधिक 45 मित्रका होना। एक मास के घर्मिक बर्वांघ के मामलों में एक बार निर्वारित घोसत चानन भरता विश्व वर्ष को बोब घर्यांघ के बौरान सानू रहेगा।

[प्राधिकारः रेंसे संकालय का वि. 22-31976 का पत्र सं.पी सी. 3/78/प्रार.प/1] स्पष्टीक रण भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्ल-में प्रियम पुनर्मुक्रण-1971 सस्मरण] के नियम 730 की राष्ट्रपति के अनुनीवन से जारी 1-4-1976 से अभावी प्रणासनिक अनुदेशों के मान्यम से आगोधित किया गया है। सीसरे केन्द्रीय देतन आयोग द्वारा संस्तुत संजोधित वेशनमानों को लागू करने के कारण अन अमुदेशों की सावध्यकता पड़ी थी। इस संजोधन का आगय, प्रणासनिक अनुदेशों को स्वतं तारीख में कानूनी पंक्ति प्रदाब करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतनभी प्रभाव से किस, भा कर्षवारी पर, जिस पर में नियम लागू होते है, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1125 (E):—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 730 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First R:print) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No.E(P&A)H/87/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO.433 R.I.

RULE 730

Note under Rule 730 may be substituted by the following:

"NOTE:—In the case of staff entitled to running allowance pay shall include the average running allowance earned during the 12 months immediately preceding the month in which a railway servant proceeds on leave, subject to a maximum of 45% of average of the pay in the cevised scales of pay, drawn for the same period, the average running allowance once determined remaining in operation during the remaining part of the financial year in cases of leave not exceeding one month".

AUTHORITY: [Ministry of Railway's letter No. PC-III/75/RA/1 dated 22-3-1976]

EXPLANATION:

The Rule 730 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1st reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Contral Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to those rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1126(भ),---संविधान के भनुज्छेद 309 के परस्तुत्र हारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय देल स्थापन संदित, जिल्ब-I (प्रयम पुनर्नुहर्ण) के नियम 730 में भनुष्वमक ने भनुसार संजोधन करते हैं।

ये संजोजन 01-08-1981 से प्रभावी होंगे।

[सं. इ (पी एंड ए) 11/80 मार एस-10]

ग्रन्बंध

कतिम मुजिपत सं. 4.11 स्था.-1

मियम ७३३

नियम 230 के नोचे दिव्यण को निम्निविधित द्वार। प्रतिस्थापित किया वार्ग :--- .

"िहिष्पण: कालन भर्तों के हक्कवार कर्मकारितृस्व के मामले में, "विकन" में भालन भर्तों में वितन तत्व के रूप में संबोधित बेतनमान में मल वेतन का 30 प्रतिमात भी ग्रामिल होगा।

[प्राधिकार: रेल मंत्रालय का विनांक 17-7-1981 का पक्ष सं. ई (पी एंड ए) 2/80/पीर एम 10]

स्पष्ट(मारण:

मारतीय रेल स्थापना सहिता, जिल्द- [प्रथम पुनर्गुडन) के नियम 770 को राष्ट्रपति के सनुमोदन में जारों 1-8-1901 से प्रभाशी प्रचासनिक अनुदेशों के माध्यम से धाशोजित किया गया है। जालन मत्ता समिति (1980) की मिकारिणों पर सरकार द्वारा किए गए विनिश्चयों के कारण इन अनुदेशों को भावश्यकता हुई थों। इस संशोधन का धाशय प्रथासनिक अनुदेशों को उसी तारीज से कानूमी शक्ति प्रवान करना है, जिस सारीज से उत्ति गया था। यह प्रमाणित किया जाता है हि इन निन्तों के न्तरतों प्रमान से किसा भो कर्मभारो पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभान नहीं पहेंगा।

G.S.R. 1126(E):—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amond Rule 730 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No.E(P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 441 R.I.

RULE 730

Note under Rule 730 may be substituted by the following:

"NOTE:—In the case of Staff entitled to running allowance, 'Fay' shall also include 30% of basic pay, in the revised scales of pay, as pay element in running allowance.

AUTHORITY: [Ministry of Railways' letter No. E(P&A) II-80/RS-10 dt. 17-7-1981).]

EXPLANATION:

The Rule 730 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

खा.का.ति. 1127(म).~~संविज्ञात के प्रमुक्छेव 309को परस्तुक हारा प्रयक्त समितयों का प्रयोग करने तुर, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापन संहिता, णिश्व-1 (पंचप तंत्रपरम, 1935) के निवम 903(8) में अन्-गम्नक के प्रमुखर संगोध न करते हैं।

ये सशीवन 01-01-1987 से प्रभावी होंगे।

सं ई (भी एंड ए) II/86/श्रार एस 15]

अनुलग्नक

पुष्ट 91, गियम 902(8)-"वेसन"

मुख्य परिभाषा में निम्नलिखित को भीतम बावप के अप में जोड वें--

"र्रांतिय कर्मधारियों के मानले में भर्तिका निश्चि में निर्मेष भंगदान के तिए वेता में, सतय-पमय पर प्रशासनिक अनु-वेशों के माध्यम से सरकार द्वारा यथा प्रश्निस्चित र्रानग भर्ते में वेतन सम्बक्षा धोतन एक निरिवत घटक शामिल होगा।

G.S.R. 1127 (E).—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 300 of the Constitution, the President is pleased to a nend Rule 902(8) of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Fifth Edition, 1985) as in the Annexure.

Tas anoninat will be effective from 01-01-1987.

[No. E (P & A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

Page 91, Rulo 902 (8)-'Pay'.

Add the following as the last sentence in the main definition:—

"In the case of running staff the pay for special contribution to Provident Fund will include a fixed component representing the pay element in the running allowance, as notified by the Government through administrative instructions from time to time".

सा.का.नि. 1128(म):---संविधान के श्रनुक्छेर 309 के परस्तुक द्वारा प्रवत यक्तियों का प्रभाग करते हुए, राष्ट्रगति जी भारतोग्र रेख स्थापना संहिता जिल्द-I (प्रथम पुनर्नुद्रण) के नियम में श्रनुलग्नक के श्रनु-सार संबोधन करते हैं।

ये संशोधन -----से प्रभावी श्लीगी।

[नं र र्(पो० एंड ए०) II/86/आर• एस० 15] सनुबन्ध

ऋग्रिम मुद्धिपत्र सं. 434 स्वा.-I

नियम 903

नियम 903(1) के नीचे टिप्पण (1) को निम्नलिखित हारा इतिस्थापित किया जाये:--

"भारत कर्तनारिवृग्य के मामते में, संगोधित येतवशान में वेतन के 48 प्रतिगत तक चालन भता।"

[प्राधिकार :---रेल मंत्रालय का दिनोत्त 22-J-1976 का पत सं. पी सी-3/75-पार ए/1]

स्बष्टी का रण

भारतीय रेल स्थापन संहिना, जिल्द-I (प्रयम पुनर्गुत्रण-1971 संस्करण) के नियम 803 की राष्ट्रपति के धनुमोदन से जारो 1-4-78 से प्रभावो प्रशासनिक प्रकृषेकों के माध्यम से प्राकोधित किया गया है। तीसरे केस्ब्रोय

ANNEXURE

वैतन भ्रायोग द्वारा संस्तृत संगोधित वैततमानों को नागू करते के कारण इन अनुदेशों को प्रावस्थकता पड़ी थी। इस संगोधन का श्राया 4 प्रणामित अस्तुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रवान करना है, जिन तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतनकी प्रमाब से किसी भी कर्मचारो पर जिता पर मे नियम कानू होते हैं, प्रतिकृत प्रमाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1128(E):-In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleated to amend Rule 903 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The animi nent will be effective from 01-04-1976.

[No. E (P & A) II/36/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 434 R.I.

RULE 903

Note (i) under Rule 903(1) may be substituted by the following:—

"In the case of running staff, running allowance to the extent of 45% of pay in the revised scales of pay."

AUTHORITY: (Ministry of Railways lotter No. PC-III/ 75/RA/1 dated 22-3-1976).

EXPLANATION:

The Rule 903 of Indian Railway Establishment Code, Viling I (Ist reprint) has been midified through Administration instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the Introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to those rules will not alversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1129(ग्र): --संविधात के अनुच्छेत्र 309 के परस्तुक द्वारा प्रदल यक्तियों का प्रयोग करने हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापना संहिता जिल्द-I पंचम संस्करण, 1985 के नियम 902(8) में मनुकानक के प्रयुक्तर संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01 01 1937 से प्रभावी होते।

[सं. ई(वो. एंड ए.)[I/36/आर.एस. 15]

ग्रनुलग्नक

पच्ड ७० नियम ९०२(5)-"परिमण्डियां"

भद (1) देः वर्तमान परन्तुक को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित करें:---

"रिनित - भर्तो के हत्तवार माह "त" श्रीर मन्ह "व" रेत सेवत की सामिक परिलब्बियों में समय-समय पर श्रकासनिक अनु-देशों के माध्यम से सरकार द्वारा यथा श्रीक्ष्मित रॉनित श्रेती में वेतन तत्त्व का छोत्रक एक निश्चित संधटक शामिल होता।"

G.S.R. 1129(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 300 of the Constitution, the President is pleased to a nend Rule 902(5) of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Fifth Edition), 1985 as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1987.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

Page 90, Rule 902(5) - Emoluments.

Substitute the following instead of the existing proviso-

"The monthly empluments of a Group 'C' and Group 'D' Railway servant entitled to running allowance shall include a fixed component representing the pay element in the running allowance, as notified by the Government through a liministrative instructions from time to time."

मा.का.नि. 1130(अ):--मिवधान के मनुब्हेद 309 के परस्तुक द्वाच प्रदत्त क्षविनयों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपनि जी भारतीय रैल स्थापना संहित्त जिल्ट-[(प्रयम पुनर्मुक्रण) के नियम 903 में श्रमुलग्नक के अनुसार संगोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-08-1981 से प्रभावी होंने।

[सं. ई.(पी एंड ए.)II/86/प्रार.एस. 15]

अमुबम्ध

अग्रिम मुजियन सं. 142 स्था. 1

नियम 903

उप नियम (1) के नीचे टिल्पग (i) को निम्मलिखित हारा प्रति-स्पापित किया जाये:-

"टिप्पण" चालन कर्षनारिवृत्य के मामने में चाका पत्रे में थेता तत्व के रूप में, संगोधित वेतनमान में गूल वेतन का 30 प्रतिकतः।

प्राधिकारः ~-रेल मंत्रात्यं का दि. 17-7-1981 का पत्न सं. ५. (पी. एंड ए.)-2/80/भार. एव.-10)।

स्पष्टीकारण :--

भारतीय रेल स्थापना संहिता के नियम 900 को राष्ट्रवित के प्रनुमीवन से आरों 1-9-81 से प्रभावों प्रतापित अनुदेशों के माध्यम से आयो- जिल किया गया है जाता भना समिति (1980) को निकारिओं पर सरकार द्वारा जिले गये विनिध्वय के कारणं इन मनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इन संगोर्ज का अगाय प्रधायनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रवान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गय। यह प्रमाणिय किया जाता है कि इन नियमों के भूतवशी प्रभाव से किसो भो कर्मचारों पर, जिल पर वे नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पहेगा।

G.S.R. 1130(E).—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 903 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 442 R.I. RULE 903

Note (i) under sub-rule (1) may be substituted by the following:

"NOTE:—In the case of running staff, 30% of basic pay, in the revised scales of pay, as the pay element in running allowance."

AUTHORITY: (Ministry of Railways' letter No. E(P&A) II-80/RS-10 dt. 17-7-1981.)

EXPLANATION:

The Rule 903 of Indian Rallway Establishment Code, Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendations of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of three amendments is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. ति. 1131(म).—संविधाप के मनुष्येव 309 के परन्तुक धारा प्रवन्त गर्विसयों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेम स्थापना संहिता, जिल्ह्-—I (प्रथम पुनम् ब्रप्प) के नियम 1107 में प्रनुलक्तक के धनुसार संशोधन करते हैं।

ये सलीधन 01-04-1976 से प्रभावी होंने ।

[सं. र्र (पी एंड ए)/II/88/बार एस 15]

<u>सनुब</u>'ध

झप्रिम मुक्किपत्र सं. 43 इस्या. 1

नियम 1107

उप नियम (3) की निम्नशिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये :---

"इस प्रयोजन के लिए "बेतन" प्रक्षिण्ठावी बेतन होना और इसमें बालन कत्ता बामिल होना जो बालन कर्मबारिवृत्य के मामले में संबीधित बेतन-मान में स्रक्षिण्ठायी येसन का श्रीयक से स्रक्षिक 45 प्रतिज्ञत होगा।"

(प्राधिकारः रेस मंद्रालय का विनांक 22-3-1976 का प्रतसं. पी सी 3/76)बार $\sqrt{2}$

स्पष्टीकरण :---

भारतीय रैल स्वापन संहिता, जिल्द I (प्रथम पुनमुँवण---1971 संस्करण) के नियम 1107 को राष्ट्रपति के अनुभोदन से जारी 1-4-76 से प्रमावी प्रशासनिक अनुदेशों के साध्यम से आशोधित किया गया है। तीसरे के जीय बेतन आयोग द्वारा संस्कृत संशोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों को आवस्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का आशय प्रशासनिक अनुदेशों को अवस्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का आशय प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीच से कानूनी बिलत प्रवान करना है, जिस तारीच से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतनशी प्रथाद से किमी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1131(E).—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to a nend Rule 1107 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Flist Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 435 R.I.

E RULE 1107

The sub-rule (3) may be substituted by the following :-

" 'Pay' for this purpose shall be substantive pay and shall include the running allowance subject to a maximum

of 45% of substantive pay, in the revised scales of pay, in the case of running staff."

AUTHORITY: (Ministry of Rallways' letter No. PC-III/75/ RA/1 dated 22-3-1976.)

EXPLANATION:

The Rule 1107 of Indian Railway Establishment Code, Volund I (1st reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the instruction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not a iversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1132(म्र).--संविधान के मनुब्धेद 309 के परम्तुक द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्द--- I (प्रथम पुनर्मृद्रण) के नियम 1107 में मनुस्मक के मनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-08-1981 से प्रभावी होंने ।

[सं. व (पी एंड ए)/I]/86/प्रार एस 15]

म्रगुवंध

मग्रिम सुक्रिपल सं. 443 स्या 1

नियम 1107

जप नियम (3) को निम्तलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जामे :---

"इस प्रयोजन के लिए 'वेतन' अधिष्ठायी वेतन होया और इसमें पालन भत्ते मेचेतन तत्व के रूप में संशोधित वेतनमान में मूल वेतन का 30 प्रतिशत भी मामिल होगा।"

(ब्राधिकार:---रेल मंत्रालय का दिनांक 17-7-1981 का पत सं. ई (थी एण्ड ए)-2/80/बार एस-10)

स्पद्यीक रण

सारतीय रेल स्थापना संहिता के नियम 1107 की राष्ट्रपति के अनुमोदन से आरी 1-6-81 से प्रभावी प्रकासनिक अनुदेशों के माध्यम से आणी वित किया गया है। वालन मत्ता समिति (1980) की सिफारिशों पर सरकार द्वारा किये गये विनिध्ययों के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इस संशोधन का भाजय प्रमासनिक अनुवेशों को उसी तारीख से कानूनी मस्सि अदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया या । यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलश्री प्रभाव से किसी भी कर्मवारी पर, जिस पर ये नियम सानू होते हैं, प्रतिकूल प्रभाव मही पड़ेगा।

G.S.R. 1132(E):—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1107 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No. E. (P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 443 R.I. RULE 1107

The sub-rule (3) may be substituted by the following:-

"'Pay' for this purpose shall be substantive pay and shall also include 30% of basic pay; in the revised scales of pay, as the pay element in running allowance.'

AUTHORITY: (Ministry of Railways' letter No. E (P&A)
II-80/RS-10 dt. 17-7-1981)

EXPLANATION ·

The Rule 1107 of Indian Railway Establishment Code Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of these amendments is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom those rules apply.

सा. का. नि. 1133(म).—संविधान के मनुक्छेय 309 के परस्तुक द्वारा प्रदक्ष णांक्तयों का प्रयोग करते हुए, राष्प्रति की भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्द--- (प्रथम पुनमृद्धण) के नियम 1108 में मनुलग्नक के भन्नार संगोधन करते हैं।

ये मंश्रीधम 01-04-1976 से प्रभावी होंगे।

[मं.ई (पी एंड ए) 11/86/बार एस-15]

मन्यंत्र

श्राविम शक्तिपक्ष मं 436 स्था 1

लियम 1108

उप नियम 5(खा) को निम्नलिखिल से प्रतिस्थापित किया जाये .---

"खण्ड (क) के प्रयोजन के लिए बेतन से प्रश्निप्राय प्रशिष्ठायी बेतन से हैं और जिसमें स्थानापन्न बेतन, विशेष बेतन और वैयक्तिक बेतन कामिल हैं। चासल भरों के हकदार कर्मचारिवृन्द के मामले में उसके बेतन में संशोधित बेतनमान में चासन प्रता मी शामिल होगा, जो बेतन का ग्राधिक से प्रश्निक 45 प्रतिशत होगा।"

उप नियम 5(ग्रा) के नीचे टिप्पणकी निस्तिमिश्चित हारा प्रतिस्थापित किया आर्थे ---

ारियान ,

किसी वेल सेवक की छुट्टी की प्रविध के दौरान, 'देतन' रेल सेवक के प्रधिष्ठायी बेतन, वैयम्तिक नेतन और विषेष वेतन, यदि कोई हो, को मिलाकर माना जाना चाहिए। चालन कर्मचारियों के मामले में प्रधिष्ठायी नेतन में बह चातन भक्ता, जो रेल सेवक ने उम प्रविध के दौरान लिया होता, प्राभिल माना जाना चाहिए, परन्तु यह कंणोधित नेतनसान में ऐसे घर्त के 45 प्रतिशत से प्रधिक नहीं होगा।"

(प्राधिकार: रेल मधालप का दि 22-3-1976 का पत्न मं, पी सी 3/75/4 भार 0/1)

स्पष्टीकरण

भारतीय रेल स्थापना संहिता, त्रिन्द I (प्रथम पुनर्मुत्रण 1971 संस्करण) के नियम 1108 को राष्ट्रपति के धनुमोदन से जारी 1-4-76 से प्रभावी प्रधासनिक धनुदेशों के माध्यम से प्राणोधित किया गया है। तीसरे केन्द्रीय वेतन प्रायोग द्वारा संस्तुत संसोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन धनुदेशों की प्राध्ययकता पड़ी थीं। इस संबोधन का प्राक्षय प्रशासनिक धनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूनलकी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रधाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1133 (E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution the President is pleased to amend Rule 1108 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976. [No. E. (P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 436 R.I.

RULE 1108

The sub-rule (5)(b) may be substituted by the following:-

"'Pay' for the purpose of Clause (a) means substantive pay and includes officiating pay, special pay and personal pay. In respect of staff entitled to running allowances, it also includes running allowance subject to a maximum of 45% of pay, in the revised scales of pay."

The Note under sub-rule (5)(b) may be substituted by the following:

"NOTE: During the period a railway servant is on leave, 'Pay' should be taken to mean the railway servant's substantive pay plus personal pay and special pay, if any. In the case of running staff, substantive pay should be held to include running allowance which the railway servant would have drawn druring the period, subject to such allowance not exceeding 45% of his substantive pay, in the revised scales of pay."

AUTHORITY: (Ministry of Railways' letter No. PC-III/ 75/RA/1 dated 22-3-1976).

EXPLANATION:

The Rule 1108 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (first reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect givent o these rules will no tadversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.ति. 1134(प्र).—संविधान के अनुक्तैय 30 के परन्तुक द्वारा प्रवस गाक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेक्ष स्थापन संहिता, जिल्द-1 (प्रथम पुनर्मुद्रण मंस्करण) के नियम 1108 में अनुक्तिक के अनुपार संगोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-08-1931 से प्रभावी होंगे।

[संई (पौ एंड ए) 1 1/86/भार एस 15]

भन्बस्य

भगिम शुक्रिपता सं. 444 स्था. 1

नियम 1108

उप नियम (5)(वा) को निम्नलिबिंग द्वारा प्रतिस्पापित किया जार्य:--

"खण्ड (क) के प्रयोजन के लिए बेतन से प्रतिशय प्रधिष्टायों वेतन से हैं और इसमें स्थानापरन नेतन, निगेष नेतन ओर नैसितक वेतन सामिल है। चालन भत्ते के हकशार कर्मवारिष्ट में मामिल में इन वेतन में चालन भत्ते के हकशार कर्मवारिष्ट में मामिल में प्रविचन का उठ प्रतिस्ता परिवारिष्ट नेतनान में मूल वेसन का उठ प्रतिस्ता भी सामिल है।

[प्राधिकार:---रेल मंत्रालय का दिनांक 17-7-1981 का पन्न सं. धूँ (पी पुण्डए) 2/80/मार एस-10]

स्पष्टीक रण

भागतीय रेल स्थापन संतिना के नियम 1108 को राष्ट्रपति के अनुभोदन से जारी 1-8-81 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के भाव्यम से आगोबित किया गया है। ज्ञालन भत्ता समिति (1980) की सिफारिशों पर सरकार द्वारा किये गये निशिवयों के कारण इन अनुवैशों की आवश्यकता हुई थी। इस संजोधन का भागय प्रशासनिक अवेनुशों की उसी तारीजा से कानूनी यावित प्रवास करना है, जिन तारीजा से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलकी प्रभाव से कियो भी कर्मजारी पर, जिन पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G S.R. 1134 (E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1108 of Indian Rajlway Estably hment Code, Volume I (Pirst Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No. E (P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 444 R I. RULE 1108

The sub-rule (5)(b) may be substituted by the following:-

Pay for the purpose of Clause (a) means substantive pay and includes off lating pay, special pay and personal pay. In respect of staff entitled to running allowances, it also includes 30% of basic pay, in the revised Scale of pay, as the pay element in running allowance."

AUTHORITY: [Ministry of Railways' letter No. E (P&A II-80/RS-10 dt. 17-7-1981].

EXPLANATION:

The Rule 1108 of Indian Rajlway Establishment Code, Volume I, (First Reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1931. These instructions were necessitated by the Government's declaron on the recommendation of 'Ruming Allowance Committee (1980)'. The purpose of these amendments is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is cortified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1135(म).-संविधात के मनुष्ठेद 309 के परन्तुक हारा प्रवस्त मन्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रगति मो भारतीय रेख स्थापन संहिता, जिल्द-1 (पंजम पुतर्न्त्रण) के नियम 1302 में धनुसानक के मनसार संगोधन करते हैं।

ये संबोधन 01-01-1973 से प्रमावी होंसे।.

[सं. ई (पौर्डए) 1 1/86/प्रार एस 15]

भन्दरम

मधिन मुद्धिरत सं, 428 स्वा, I

नियम 1302

उप नियम (5) के नीचे परानुक (11) को निस्निनियित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:—

"चालन भरों के हकदार घराजपहित रेल सेवक की मासिक परि-; सिंब्यपों में, उसके द्वारा महीने के दौरान सौ गयी चालन भरों की-धास्तविक राशि, जो संशोधित बेननमान में प्रश्चिक से प्रश्चिक उसके देखन का 45 प्रतिशय तक होगी, सामिल की जायेंगी।

(प्राजिकार: ---रेल मंद्रालय का दिनाक 22-3-1977 का पत्र सं. पी सौ-3/75/प्रारए/1 जैस रेल मंत्रालय के दिनाक 23-6-1976 के सम-संदर्भ पक्ष द्वारा संलोधित किया गया।)

स्पव्टीकरण :--

भारतीय रेन स्थापन संहिना, जिल्ब-1 (प्रथम वृतर्मुह्रवा-1971 संस्करण) के तियम 1302 को राष्ट्रांति के अनुमोहन से जारो 1-1-1973 से प्रधादी प्रवासिक अनुवेशों के म.हयम से प्राक्रोधित किया गया है। वौसरे केन्द्रीय बेतन आयोग द्वारा संस्कृत संगोधित केन्द्रांत को लागू करने के कारण हन अनुवेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संगोधिन का प्राच्य प्रधासिक अनुवेशों को उसी तारीख से कानूनी सिक्त प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया या। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतक्को प्रभाव से किसी भी कर्मकारी पर जिस पर से नियम तामू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1135(E).—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution the President is pleased to amend Rule 1302 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure

The amen iment will be effective from 01-01-1973,

[No. E (P & A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO 428 R.I

RULE 1302

The Proviso () under subrule (5) may be substituted by the following;

"The monthly empluments of a non-gazetted railway servant entitled to running allowances shall include the actual angular of running allowance drawn by him during the month, limited to a maximum of 45% of his pay, in the revised Scales of Pay".

(AUTHORITY: Ministry of Railway's letters No. PCHI 75/RA/I dated 22-3-76 and dated 23-6-76).

EXPLANATION:

The Rule 1302 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-1-1973. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the introduction with effect from the same date on which the introductions with effect from the same date on which the introductions with effect from the same date on which the introductions with effect from the same date on which the introductions with effect from the same date on which the introductions with effect from the same date on which the introductions with effect from the same date on which

सा का नि. 1136 (भ) — संविधात के भ्रानुकेर 309 के परस्तुक द्वारा भवत सक्तियों का भ्रयोग करते हुए, राष्ट्राति जो भारतीय देव स्थापन संहिता, जिल्द-र्रे (भ्रयभपुतर्मुहण) के नियम 1302 में भनुसन्तक के भनसार संवोधन करते हैं।

ये शंकोधम 01-04-1979 से प्रभावी होंने।

सिं• दे(वो एंड ए) II/86/बार एस-15]

भनुबन्ध

मश्रिम नुद्धिपन सं. 437 स्था, I

नियम 1302

चय नियम (5) के नीचे परन्तुक (11) को निम्निलिखित द्वारा प्रति -स्थापित किया आर्थे:--

"चालन मत्ते के हकदार मराजनजित रेल सेवक को मासिक परि-मध्यिमों में चालन भले के बैतन तस्त के रूप में संतीधित वेतनमान में मूल वेतन का 55 प्रतिकृत भी मामिल किया जायेगा।"

[प्राधिकार: रेल मंत्रालय का वि. 17-7-1981 का पत धे. ई (वो युष्य ए) 2/80/घार ए 10]

सफ्टीकरण :---

सारतीय रेम स्थापन संहिता के नियम 1302 को राष्ट्रपति के सनुमोबन से जारी 1-4-79 से प्रवादी प्रतापित प्रवृदेशों के मान्यम से प्राव्योवित किया नया है। बालन मता समिति (1980) की सिकारियों पर सरकार द्वारों किये गये विनिश्वयों के कारण इन प्रमुखेलों को आवश्यकता हुई थी। इन संताजन का आवार प्रतासनिक प्रमुखेलों को उसी तारीबा से कानूनी मन्ति प्रवक्त करना है, जिस दारीक से उन्हें बारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के मूतलकी प्रधान से किसी भी कर्मवारी पर, जिस पर ये नियम सामू होते हैं, प्रतिकृत प्रधान नहीं पहेगा।

G.S.R. 1136 (B).—In exercise of 5the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1302 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprirt) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1979.

[No. E (P & A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 437 R.I.

RULE 1302

The Proviso (ii) under Sub-rufe (5) may be substituted by the following:—

"The monthly emoluments of a non-gazetted railway servant entitled to running allowance shall also include 55% of basic pay in he revised scales of pay, as the pay element in Running Allowarce."

AUI +DRITY: M ristry of Ruilways' letter No. E (P & A)
II-80/RS-10 dated 17-7-1981.*

EXPLANATION:

The Rule 1302 of Intlan Railway Establishment Code, has been no lifted through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1979. These is, inclines were necessitated by the Government's decisions on the recommentations of 'Running Allowance Committee (1980). The purpose of this ameniment is to give statifier force to the aim instructions with effect from the same date on which the instructions were issued, it is cartified that carrispositive effect given to those rules apply.

सा. का. ति. 1137 (प्र). —संविधात के स्वृत्केड 309 के परस्तुक द्वारा प्रवस्त सक्तियों का प्रयोग करने हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्वापन संहिता, जिल्द-I (प्रयम पुनर्मुडण) के नियम 1309 में सनुसरक के सनुसार संकोधन करते हैं।

ये संकोधन 01-01-1973 से प्रवादी होते।

[सं॰ र (पो एंड ए) II/86/मार एस 15]

धन्बंध

धविम मुद्धिपत सं. 429 स्वा. I

नियम 1309

उपनियम (1) के नीचे परंतुक (ii) में दूसरे बाक्य को निक्त सिचित द्वारा प्रतिस्थापित द्विया जाये:---

"धानन कर्मचारिवृध्य के प्राप्तने में, नेता में उप औपत भारत मसे का बारहवाँ भाग भो जोड़ा जायेगा जो उसने प्रयत्नो खुटी गुक्क होने नाले महीने से पहले के बारह महीनों में प्रतिनास धाजित किया हो, जो उनके यथा उगेरिनि खा मंगीविश वेतनगान में स्थायत्र प्राप्त नेता के, जिर्मा ग्रीरिन होगे ने तन उस पथ के बेजनमान का शिस्सा हो तो नह भो शामिन होगा, 45 प्रतिशा सक सीमित होगा।

(प्राधिकार: रेल मंत्रालय का वि. 22-3-1976 का पन्न सं. पी. सी. 3/75/भार ए/1 जैसा रेल मंत्रालय के दिनांक 23-6-1976 के समसंख्यक पत द्वारा संशोधित किया गया)।

स्पव्दीकरण :

मारतीय रेल स्थापन संहिता, जिन्दां (प्रथम पुत्रमृंहल, 1971 संस्करण) के नियम 1309 को राष्ट्राति के सनुमोदन से जारो 1-1-1973 के प्रवादी प्रमासित प्रमृदेशों के मान्यन से प्रायोधित किया गया है। तीसरे केन्द्रीय वेतन प्रायोग हारा संस्तुन प्रपेक्षित वेतनमानों को सामू करने के कारण इन अनुदेशों की धावण्यकता पड़ी थी। इस संतोधन का प्रायय प्रयातिनक अनुदेशों को उती गनारीख से कानूनी सनित्र प्रवान करना है, जिस सारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूननशी प्रमाण से किसी धी कर्मधारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रमाव नहीं पढ़ेगा।

G.S.R. 1137(E).—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1309 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annerure.

The amendment will be effective from 01-01-1973.

[No. E(P&A)[I/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 429 R.I. RULE 1309

The second sentence in Proviso (ii) under Sub-rule (1) may be substituted by the following:

"In the case of Running Staff, 1/12th of the Average running allowance earned per month during the 12 months preceding the month in which his leave begins limited to 45% of the officiating/substantive pay in the revised Scales of Pay, as referred to above, including Special Pay if forming part of the scale of pay of the post shall also be added to that".

(AUTHORITY: Ministry of Railway's letters No. PC III/ 75/RA/i dated 22-3-1976 and 23-6-1976)

EXPLANATION:

The Rule 1309 of Indian Railway Establishment Code, Volum: I (Ist reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-1-1973. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of Pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this a neglineart is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date or which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employae to whom these rules apply.

सा. का. ति. 1138 (म). — संविधान के मनुकछेव 309 के परम्मुक द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्ल-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 1309 में भनुसानक के मनुसार संशोधन करते हैं।

वे संबोधन 01-04-1979 से प्रभावी होगें।

[सं. ई (जीएंड ए) /II/86/पार एस 15]

धनश्रं स

भविम मुक्षिपत से. 438 स्या. I

नियम 1309

उप नियम (1) के मीचे परंतुक (ii) के दूसरे वाक्य को निम्न-लिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:--

"कालन कर्मवारिवृश्य के मामले में चालन भर्स में बेवन का ब्रोतक, संतोधित बेतनमान में मूल वेतन का 55 प्रतिस्रत भी जोड़ा वासेगा।

(प्राप्तिकार: रेल मंत्रालय का दि. 17-7-1981 का पत्र सं. ई(पौ एच्ड ए.) 2/80/मार एस--10)

स्पद्धीकरण :---

भारतीय रेस स्थापन संहिता के जिल्ब I (प्रथम पुनर्गृहण) नियम
1309 को राष्ट्रपति के अनुभीवन से जारी 1-4-79 से प्रभावी प्रसासिमक अनुदेशों के माध्यम से आसीधित किया गया है। बालन सत्ता
सिमित (1980) की सिकारियों पर सरकार द्वारा किये गये निवियमों
के कारण इन अनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इस संगोधन का प्राक्षय

प्रकासनिक | प्रजुदेशों को उसी तारी वा से कानूनी सकित प्रदान करना है, जिस तारी वा से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रभाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूनतती प्रभाव से किसी भी कर्मवारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1138(E).—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Ruie 1309 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1979.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 438 R.I.

RULE 1309

Tac Second sentence in provise (ii) under Sub-rule (1) may be substituted by the following:—

"In the case of running staff 55% of basic pay, in the revised scales of pay, representing the pay element in Running Allowances shall also be added to that."

AUTHORITY: (Ministry of Railways' letter No. E (P&A) II-80/RS-10 dated 17-7-1981.)

EXPLANATION:

The Rule 1309 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1979. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. ति. 1139 (प्र) — संनिधान के अनुस्केद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त पनितयों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रगति जी मारतीय रेस स्थापन संहिता, जिल्द-I (पंकन पुनर्मुद्रण) के नियम 1502 के अमुसन्क के अनुसार संक्षोधन करते हैं।

ये संबोधन 01-01-1973 से प्रमानी होंगे।

[सं. ई(पी एंड ए) /II/86/आर एस 15]

धनवंध

श्रक्षिम मुख्यित्रज सं. 430 स्था. I

नियम 1502

उप नियम (3) के नीचे परंतुक को निस्नाजिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया कार्य:--

"परंतु इन दोनों मामलों में यदि कोई रेस सेवक खालन भत्ते का हकवार है सो बेतन में बहु मासिक बौजत खालन भत्ता भी सामिल होगा जो रेल सेवक ने सेवा छोड़ने के तत्काल पूर्व के 365 दिनों में किये गये चालन कर्तव्य के लिए लिया हो, पर संशोधित बेतनमान में उद्य अविध में लिये गये जीसत बेतन से 45 मितवत वक सोगिल होगा।

(प्राधिकार: रेल मंत्रालय का बिनोक 22-3-1976 का पल से. पौ सी. 3/75/मार ए/1 जैसा रेल मंत्रालय के वि. 23-6-1976 के धम-संक्यक पन्न द्वारा संकोधित किया गया)ए

ग्रन्बन्ध

स्पष्टीकरण :---

भारतीय रेल स्थापम संहिता, जिल्व 1 (प्रथम पुनर्मंद्रण -- 1971 संस्करण) के नियम 1502 को राष्ट्रपति के अनुमोवन से आरो 1-17 1973 से प्रभावी प्रशासनिक अनुवेशों के माध्यम से आशोधित किया गया है। तीसरे केन्द्रीय वेसन आयोग द्वारा संस्कुतसंगीधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन धनुवेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इन संशोधन का मामय प्रशासनिक अनुदेशों को आवश्यकता पड़ी थी। इन संशोधन का मामय प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी एकिन प्रवान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि यन नियमों के भूतलशी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर जिस पर ये नियम लायू होने है, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R 1139(E)—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1502 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1973.

INO. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 430 R.I.

RULE 1502

The Proviso under sub-rule (3) may be substituted by the following:

"Provided that in respect of a Railway Servant of either case entitled to Running Allowances, pay shall also include the monthly average Running Allowance drawn by the Railway servant during 365 days of running duty immediately preceding the date of quitting service, limited to 45% of average pay for the same period, in the revised scales of pay."

[AUTHORITY: Ministry of Railway's letters No. PCIII/75/ RA/1 dated 22-3-1976 as amended by letter of even number dated 23-6-1976].

EXPLANATION:

The Rule 1502 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Ist reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-1-1973. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.कि. 1140(अ): - संविधान के प्रतृष्टिय 309 के परस्तुक द्वारा प्रवस अनितयों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेस स्थापन संहिता जिल्द-1 (प्रथम पुनर्मृद्रण) के नियम 1502 में ग्रनुसग्नक के प्रमुखार संघोधन करते हैं।

में संगोधन 01-04-1979 से प्रभावी होंगे।

[सं र्ड. (वी एंड ए) II/86/प्रार, एम 15]

अग्रिम मुद्धिपन्न म 439 स्था. I

नियम 1502

उप नियम (3) के गीते परन्तुक को निस्तांगिजिन द्वारा प्रनिस्थापित फिया जामे:---

"परन्तु दोनां प्रकार के भामनों में यदि कोई रेन कर्मनारी घालन भते का हकदार है तो बेनन में चालन भने को बेनन तथा के रूप में मंशोधित बेननवान में मूल बेनन का 55 प्रतिशासी धानिल विजा नायेगा।

[प्राधिकार . रेल मझापद का दिनाक 17 7-1931 का पज स ई (पी. एंड ए)-2 /80/प्रार.एन -10]

म्बद्धीकरण

भारतीय रेन स्यापन संहिता के निमन 1502 को राष्ट्रमंति के अनु-मोदम से जारी 1-4-79 से प्रभावी प्रवासनिक अनुदेशों के माध्यम से भागोधित किया गया है बालन भता समिति (1980) को सिकारिशों पर सरकार द्वारा किये गये विनिश्नयों के कारण इन अनुदेशों को आवश्य-कता हुई थी। इन मंत्रोधन का भागय प्रवासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी अक्ति प्रदान करना है, जिन तारीब से उन्हें प्रत्ये किया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतनका प्रभाव नहीं पहांगा। कर्मचारी पर, जिन पर ये नियम नायू होते हैं, पाँतकून प्रमान नहीं पहांगा।

G.S.R. 1140(E).—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the Presient is pleased to amend Rule 1502 of Indian Railway Establishment Cyle, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The a neadment will be effective from 01-04-1979.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 439 R.I.

RULE 1502

The proviso under sub-rule (3) may be substituted by the following:

"Provided that in respect of a railway servant of either case, entitled to running allowances, pay shall also include 55% of basic pay, in the revised scales of pay as the pay element in Running Allowances."

[AUTHORITY: Ministry of Railways letter No. E(P&A)II-80/RS-10 dated 17-7-1981.]

EXPLANATION .

The Rule 1592 of Indian Railway Establishment Code/Volume I (First Reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1979. These instructions were necessitated by the Government's decisions on the recommendations of Running Allonance Committee (1980). The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का. ति. 1141(अ):—संबिधान के अनुकड़ेद 309 के परन्तृत ब्रास प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करो हुई, राष्ट्रश्ति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द्य-II (पंचम पुनर्मृद्रण) के नियम 2003 में अनुसानक के अनुसार संघोधन करते हैं।

में संघोधन 01-08-1981 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई(पी एंड ए) II/86/कार एस 15]

भनुवाध

अप्रिम मुख्यियत सं 408 स्वा-II

नियम 2003

उप नियम (2) के नीचे परम्पुरु (ii) को निम्निक्षिति द्वारा प्रति स्वापित किया जाये:---

"परस्तु यह और कि चालन भर्ते के हकदार कर्मचारितृत्व के मामले में छुट्टी पेतन के प्रयोजन के लिए श्रीसन वेतन में चालन असे में वेंतन तत्व के रूप में संशोधित जैतनमान में, मूल जेतन का 30 प्रतिकृत भी सामिल होगा।

[प्राधिकारः—-रेल मंत्रालय का दिनोक 17-7-1981 का पत्न सं. (पी. एंड ए)-2/80/प्रार.एस. 19]।

स्पष्टीकरण .---

मारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द (II) (यांचवा पुनर्गृत्रण) के नियम 2003 को राष्ट्रपति के अनुमोबन से जारी 1-8-1981 से प्रभावी प्रकासनिक अनुदेशों के माध्यम से ध्राशोधित निया गया है। चालन मता ग्रामित (1980) की सिकारियों पर सरकार द्वारा किये गये विनिश्वयों के कारण इन अनुदेशों की ध्रावध्यकता हुई थी। इन संशोधन का प्रावस प्रभासनिक अनुदेशों की ध्रावध्यकता हुई थी। इन संशोधन का प्रावस प्रभासनिक अनुदेशों को उसी वारीक से कानूनी शायित प्रदान करना है, जिम तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रभाजित किया जाता है कि इन नियमों के भूतसकी प्रभाव से किसी भी कर्मवारी पर, जिल पर में नियम सागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1141(E).—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 2003 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No. E (P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 408 R.II

RULE 2003

Proviso (ii) under sub-rule (2) may be substituted by the following:

"Provided further that in the case of Staff entitled to running allowances, average pay for the purpose of leave calary shall also include 30% of basic pay, in the revised scales of pay, as the pay element in Running Allowance."

[AUTHORITY: Ministry of Railway's letter No. E. (P&A)II-80/RS-10 dt. 17-7-1981].

EXPLANATION:

The Rule 2003 of the Indiar Rallway Establishment Code, Volume II (Fifth reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-5-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendations of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of those amendments is to give statutory force to the administrative instructions

with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to those ries will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का. नि. 1142(प्र). -- मंत्रियान के प्रमुक्ति 309 के परस्तुक द्वारा प्रवत्त कक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रशति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता जिल्य-II (पंचम पुनर्नुहण) के नियम 2003 में प्रभुजनक के प्रनुसार संनोधन करों हैं।

ये संतोषन 01-04-1976 से प्रमानी होंने ।

[संई (पी एंड ए) 11/86/ आर एस 15]

भनुबन्ध

थविम मुद्धिपन्न स.-406 स्था.II

नियम 2003

उन नियम (2) के नीचे परम्तुक (ii) को निम्नेनिश्चित द्वारा माते-स्वापित किया आये:---

"परस्तु यह और कि वालन असे के हरुवार कर्मचारिवृन्द के मानसे में, छुट्टी बेतन के पयोजन के निए जौता वेतन में जामित होगा, वह असित वालन अना जो रेन लेकर ने छुट्टी बाने महीने से तरकान पूर्व के बारह महीनों में भीजा किया हो, परन्तु यह संगोधित वेतनतान में उसी अबित के लिए वेतन के औसत के 45 प्रतिज्ञत से मिलिक नहीं होगा। एक मास से भनक्षित छुट्टी के मामलों में एक बार निर्वारित वीपत बालन दता वित्त वर्ष की बीप भवित में लागू रहेदा।

[प्राधिकार :---रेल मजानेव का वि. 22-3-1976 का एअ स. यी सी.-3/75/प्रार,ए./1]

स्पर्धाकरण

भारतीय रेल स्वायन संहिता, जिल्ल II (पांचथा पुतर्मुक्षण) के नियम 2003 को राष्ट्रपति के प्रतुमोदन से जारी 1-4-76 से प्रभावी प्रमासनिक प्रतुदेशों के माध्यत से प्राथिति किया गया है। तीतरे केन्द्रीय बेतन नायोग द्वारा संस्तुत संशोधित बेतनमानों को लागू करने के कारण इन प्रनुदेशों की प्रावश्यकता पड़ी थी। इस संशोधित का प्राथय प्रजासनिक प्रनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी प्रक्ति प्रधान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतनकी प्रभाव से किसी भी कर्मवारी पर जिल्ल पर ये नियम सागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पढ़ेगा।

G.S.R. 1142(E)—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 3 9 of the Constitution, the Pesident is pleased to amend Rule 2003 of Indian Railway Establishment Code, Volume II(Fifth Reprint) as in the Annexure.

The amondment will be effective from 01-04-1976.

[No. E(P&A)H/66/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO 406 R.II

RULE 2003

P 3V(3) (11) under sub-rule (2) may be substituted by the following:

"Provided further that in the case of staff entitled to running allowances, average pay for the purpose of leave salary sholl include the average running allowance earned during the 12 months immediately preceding the month in which a railway servant proceeds on leave, subject to a maximum of 45% of average of the pay in the revised scales of pay, for the same period, the average running allowance once the termined remaining in operation during the remaining part of the financial year in cases of leave not exceeding one month".

AUTHORITY: Ministry of Railway's letter No. PC-III/75/ RA/1 dated 22-3-1976).

EXPLANATION:

The Rule 2003 of Indian Railway Establishment Code Volume II (Fifth reprint) has been modified through administrative instructions issued with resident's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1143(भ) — संविधान के प्रमुच्छेय 309 के परम्नुक द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्य्रपति की भारतीय रेल स्थापन संविता, जिल्द II (पंचम पुनर्मुद्रण) के नियम 2544 में अनुसामक के प्रमुखार संवीधन करते हैं।

में संशोधन 01-01-1973 से प्रभावी होंने।

[सं. ई (पी एंड ए) 11/86/मार एस-1.5]

धन्बन्ध

श्रक्षिम गुर्किपन्न सं 405 स्था. II

नियम 2544

जप-नियम (छ)(i) और (छ)(ii) की निम्निसिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये '---

छ(i) अप्रैसत परिवर्गिधयों के गरिकमन के प्रयोजन को लिए >---

संशोधित वेंतनमान में रेल सेवक द्वारा महोने के दौरान ली ययी भागन भरों की वास्तविक स्थाभ जो बेतन के श्रीवंक से श्रीवंक 45 प्रतिक्रत तक सीमित है।

छ(ii) उपवान और/मयना भृत्यु एवं सेवा निवृत्ति उपवान के प्रयोजन के लिए सेवा—छोड़ने के नत्काल पूर्व के 365 दिनों के चालन कर्तव्य के दौरान संशोधित बेतमलान में लिये गये जालन मसे का मासिक भीमत की उसी ग्रवधि के दौरान लिये गये औसत वेतन के 45 प्रतिणत तक सीमित हो।

(श्राधिकार रेल मंत्रास्य का दिनांक 22-3-1976 का पत्र स. पी सी 3/75/प्रार ए/1 जैसा रेल मंत्रासय के दिनांक 23-6-1976 के सम-संख्यक पंत्र द्वारा संसोधित किया गया)

स्पष्टीकरण :---

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द II (पांचना पुनमूँद्रण) के नियम 2544 की राष्ट्रपति के भनुमोदन से आरी किया गया है।

1-1-1973 से प्रभावी प्रशासनिक अपुरेशों के मान्यम से झाशंबित किया गया है। तीसरे केन्द्रीय वेतन धायोग द्वारा संस्तुत संशोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुवेशों की झावस्यकता पढ़ी थीं। इस संशोधन का झायस ध्रमासनिक अनुवेशों को उसी तारीक से

कान्ती सक्ति प्रवान करना है, जिस तारीख से उन्हें आरी किया गया या।
यह प्रभाषित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलक्षी प्रभाव से किसी
जी कर्मवारी पर शिक्ष पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव नहीं
पड़ेगा:

G.S.R. 1143(E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 2544 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth Reprint) as in the Annexure

The amendment will be effective from 01-01-1973.

[No.E(P&A)II/86/RS-15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION \$LIP NO. 405 R.H.

RULE 2544

Sub-rule g(i) and g(ii) may be substituted by the following:

- g(i) "For the purpose of calculation of average emoluments:—actual amount of running allowance drawn by the railway servant during the month limited to a maximum of 45% of pay, in the revised Scales of Pay".
- g(ii) "For the purpose of gratiuty and/or death-cumretirement gratuity:—the monthly average of running allowances drawn during the 365 days of runuing duty immediately preceding the date of quitting service limited to 45% of average pay drawn during the same period, in the revised scales of pay."

(AUTHORITY: Ministry of Railway's letters No. PCIII/
75/RA/1 dated 22-3-1976 as amended by
letter of even number dared 23-6-1976)

EXPLANATION:

The Rule 2544 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth reprint) has been modified through administrative instructions issued with the President's approval effective from 1-1-1973. These instructions were necessitated by the introduction of the revised Scales of Pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not a iversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1144(अ).—संविधान के अनुच्छेर 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेख स्थापन संहिता, जिल्द-II (पंचम पुनर्भुद्रण) के नियम 2541 में अनुषम्नक के अनुमार संजोधन करते हैं।

ये संमोधन 01-04-1979 स प्रभावी होने।

[सं ६ (पी एक ए) 11/86/मार एस-15]

क्षं व व कटेशन,

निदेशक, स्थापना (वे. एवं म.), रेलवे बोई

स्**नवन्ध**

मग्रिम लुक्किप्स में 407 स्था. II

लियम 2544

उप नियम छ(1) और छ(८) को निम्निसिश्वत द्वारा प्रसिस्यापित किया आये :---

छ (1) "औसत परिलक्षियों की नणना के प्रयोजन के लिए :— भ्रथिय के दौरान संकोधिन वेतन मे लिये गर्ने मूल औसन नेतन का 55 प्रतिगत।"

छ(2) "उपदान और√या मृत्यु और सेवानिवृत्ति उपदान के प्रयोजन के लिए,∻-- प्रविधि के दौरान संशोधित वेतनमान में लिये गये मूल कौसन वेतन का 55 प्रतिशत।"

[प्राधिकार: रेल मंत्रालय का दिनांक 17-7-1981 का पत्न सं. ई (भी एण्ड ए) 2/80/घार एस 10]

स्पष्टीकरण -

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्ल 2 (पांचवा पुनर्मुंद्रण) के नियम 2544 को राष्ट्रपति के अनुमीदन से जारी 1-4-79 से प्रभावी प्रणासनिक अनुदेशों के माध्यम से प्राजीधित किया गया है। चालन भक्ता सामित (1980) की सिफारिणो पर सरकार द्वारा किये गयं जिनिक्चयों के कारण इस प्रनुदेशों की आवश्यकता हुई थी। इस संशोधन का भागप प्रजासनिक अनुदेशों को जसी तारीख से कानूनी कक्ति प्रवास करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलक्षी प्रभाव से कियी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम तामू होते हैं, प्राकृत प्रभाव नहीं पढ़ेगा।

G.S.R. 1144(E):—In exercise of the powers conferred by the provide to A state 309 of the Constitution, the President

is pleased to amend Rule 2544 of Indian Rallway Establishment Code, Volume II (Fifth Reprint) as in the Annexure.

The amen Iment will be effective from 01-04-1979.

[No.E(P&A)II/86/RS/15]

K. VENKATESAN, Director, Establishment (P&A), Railway Board.

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 407 R.II RULE 2544

Sub-rule g(i) and g(ii) may be substituted by the following:

- g(i) "For the purpose of calculation of average emoluments: 55% of basic average pay, in the revised scales of pay, drawn during the period;"
- g(ii) "For the purpose of gratuity and/or death-cumretirement gratuity: 55% of basic average pay, in the revised scales of pay, drawn during the period."

AUTHORITY: [Ministry of Railways' letter No.L(P&A) II-80/RS-10 dated 17-7-1981]

EXPLANATION:

The Rule 2544 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1979. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendations of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to there rules will not adversely affect any employee, to whom these rules apply.